आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 07.07.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- राजधानी देहरादून समेत राज्य के अन्य हिस्सों में रुक–रुककर भारी बारिश का दौर जारी, नदी–नालों के जलस्तर में बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी।
- प्रदेश के पर्वतीय अंचल में भारी बारिश के चलते सामान्य जनजीवन प्रभावित। अगले 12 घंटे के लिए कुमाऊं मंडल और गढ़वाल के कुछ हिस्सों में तेज वर्षा की चेतावनी।
- टिहरी बांध में आज से बिजली उत्पादन फिर शुरू हुआ।
- प्रदेश के सरकारी अस्पतालों की ओपीडी तथा आईपीडी पंजीकरण शुल्क में कटौती की जाएगी।

मौसम

राजधानी देहरादून समेत राज्य के अन्य हिस्सों में रुक–रुककर भारी बारिश का दौर जारी है। इससे मैदान से लेकर पहाड़ तक सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। पर्वतीय अंचल में लगातार हो रही बारिश से नदी–नालों का जलस्तर बढ़ गया है। साथ ही भूस्खलन से लगातार अवरूद्ध हो रहे राष्ट्रीय राजमार्गों और संपर्क मार्गों को खोलने का प्रयास जारी है। प्रशासन ने मार्गों को खोलने के लिए पर्याप्त मशीनें और श्रमिकों को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों पर तैनात किया हैं। चमोली जिले में लगभग 24 संपर्क मार्ग अवरूद्ध हैं। उधर, अल्मोड़ा जिले के मोहान के समीप छोटा पुल बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसके कारण रामनगर–रानीखेत सड़क पर आवाजाही बाधित है। वाहनों को डाइवर्ट कर भौनखाल–चिमटाखाल मार्ग से भेजा जा रहा है। टिहरी के तोता घाटी में अवरूद्ध मार्ग को यातायात के लिए सुचारू कर दिया गया है। इस बीच, मौसम विभाग ने अगले 12 घंटे के लिए राज्य के कुमाऊं क्षेत्र सहित गढ़वाल के पौड़ी और चमोली जिले में कहीं–कहीं अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहेगा। बारिश की संभावना को देखते हुए विभाग ने स्थानीय जनता सहित पर्यटकों और तीर्थयात्रियों से अनावश्यक यात्रा से बचने और सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

आपदा सचिव समीक्षा

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव, विनोद कुमार सुमन ने देहरादून स्थित उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से आज जिलों में बारिश की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों को अलर्ट पर रहने और हालात पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूस्खलन से बंद पड़े राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्यमार्गों और ग्रामीण सम्पर्क मार्गों को जल्द से जल्द खुलवाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। इसके अलावा उन्होंने नदियों के जलस्तर को लेकर भी जानकारी ली और किसी भी आपात स्थिति को लेकर तुरंत राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में सूचना देने के निर्देश दिए। सोशल मीडिया पर आपदाओं को लेकर भ्रामक और फर्जी पोस्ट डाले जाने और पुराने वीडियो व फोटो को वर्तमान का बताकर गलत तरीके से प्रसारित किए जाने पर आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव ने कहा कि आम जनता में भय और डर का माहौल न हो, इसलिए ऐसे भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट का तुरंत खंडन किया जाए।

ऑपरेशन मॉनसून

विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में वन और वन्य जीव की सुरक्षा के लिए, ऑपरेशन मानसून शुरू हो गया है। इस दौरान पार्क में शिकारियों की घुसपैठ रोकने के लिए कड़ी निगरानी की जा रही है और वन्य जीवों के लिए सुरक्षा घेरा मजबूत किया गया है। ऑपरेशन मानसून के तहत पार्क की 125 वन चौकियों के लिए साढ़े तीन महीने का राशन और प्राथमिक उपचार के लिए जरूरी दवाइयों की व्यवस्था की गई है। जिम कॉर्बेट पार्क के निदेशक धीरज पांडेय ने बताया कि ऑपरेशन मानसून के लिए लंबी और छोटी दूरी की पैदल गश्त बढ़ा दी गई है। इसमें ड्रोन कैमरे और स्निफर डॉग की मदद भी ली जा रही है।

टिहरी बांध

टिहरी बांध में आज से बिजली उत्पादन फिर शुरू हो गया है। पहले दिन 250 मेगावाट की एक टरबाइन से पीक आवर्स में बिजली उत्पादन किया गया। इसी क्रम में आज से टिहरी बांध की चारों टरबाइनों और देर शाम कोटेश्वर बांध से बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। टीएचडीसी के अधिशासी निदेशक एलपी जोशी ने यह जानकारी दी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि 2 जून से टिहरी बांध क्षेत्र में पंप स्टोरेज प्लांट का सिविल कार्य किया जा रहा था, जिसके चलते टिहरी बांध और कोटेश्वर बांध में करीब एक माह का शटडाउन लिया गया था।

श्री जोशी ने बताया कि पीएसपी की टनल में तकनीकी रूप से पानी भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह पूरी प्रक्रिया करीब तीन सप्ताह के चक्र में पूरी होगी। अगस्त माह में पहली दो यूनिट चालू कर बिजली उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता प्रशांत भारद्वाज ने बताया कि एक–दो दिन में पुराना जलस्तर सामान्य होते ही पानी की आपूर्ति सामान्य हो जाएगी।

पंजीकरण शुल्क कमी 1

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अब मरीजों को ओपीडी और आईपीडी पंजीकरण के लिए कम शुल्क देना होगा। इसके अलावा एंबुलेंस और बैड शुल्क में भी कमी की जाएगी। वित्त मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने इसके लिए प्रस्ताव पर अपना अनुमोदन दिया है। जल्द ही यह राज्य के सरकारी अस्पतालों में लागू होगा। ये जानकारी देते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि राज्य की विषय भौगोलिक परिस्थितियों और कमजोर आर्थिक स्थितियों के कारण पर्वतीय जिलों में आम जनमानस केवल राजकीय अस्पतालों पर ही निर्भर हैं। इसके चलते राज्य सरकार ने चिकित्सा सेवा शुल्क की दरों को कम किये जाने का विचार किया है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी में अभी तक पंजीकरण शुल्क 13 रूपये लिया जा रहा है, जिसे अब 10 रूपये किया गया है। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 15 रूपये से 10 रूपये, जबकि जिला और उप जिला चिकित्सालय में पंजीकरण शुल्क 28 रूपये से 20 रूपये किया गया है। उन्होंने बताया कि विभागीय एंबुलेंस में अभी तक रोगी वाहन शुल्क को 5 किलोमीटर तक न्यूनतम 315 रूपये, जबकि अतिरिक्त दूरी के लिए 63 रूपये प्रति किलोमीटर लिया जा रहा है, जिसे 5 किलोमीटर तक 200 रूपये न्यूनतम और अतिरिक्त दूरी के लिए 20 रूपये प्रति किलोमीटर किया गया।

नीट

सर्वोच्च न्यायालय में नीट–यूजी से संबंधित कई याचिकाओं पर कल सुनवाई होगी। इनमें नए सिरे से परीक्षा कराने की मांग की याचिकाएं भी शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष 26 याचिकाएं सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं। विद्यार्थियों ने अपनी याचिकाओं में नीट में कथित अनियमितताओं की एक अलग और स्वतंत्र जांच की मांग की है। बढ़ते नीट विवाद के बीच केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दाखिल किया है। केंद्र ने कहा है कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के किसी भी सबूत के अभाव में नीट परीक्षा को दोबारा आयोजित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। केन्द्र ने यह भी तर्क दिया है कि नई परीक्षा से लाखों वास्तविक उम्मीदवारों के जीवन पर प्रतिकूल असर पडेगा।

बदरीनाथ उपचुनाव

हरिद्वार की मंगलौर और चमोली जिले में बदरीनाथ विधानसभा उपचुनाव के तहत 10 जुलाई को मतदान होगा। चमोली जिले में पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव को लेकर उपचुनाव के 105 मतदेय स्थल से वेबकास्टिंग की जाएगी। इसके तहत आज वेबकास्टिंग कार्मिकों की टीम को स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर से जरूरी उपकरणों और सामग्री के साथ मतदेय स्थलों के लिए रवाना किया गया।

सत्यापन अभियान

आगामी कांवड़ मेले को देखते हुए हरिद्वार के जटवाड़ा पुल के आस–पास झुग्गी झोपड़ियों, घास मंडी, वाल्मीकि बस्ती और सुभाष नगर के आस–पास बस्तियों में सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र में निवास कर रहे 270 बाहरी व्यक्तियों और काम करने वाले लोगों का सत्यापन किया गया।